मनोविकृति के विभिन्न आयाम एवं प्रभाव एक विश्लेषण

डॉ. मेघा कुमारी
सहायक आचार्य
राजनीति विज्ञान विभाग,
साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज
झारखंड, भारत

सारांश

सामान्य सारांश'Psychopath' (मनोविकृती) शब्द व्यक्ति के व्यक्तित्व विकार की स्थिति का परिचायक है। ऐसी अवस्था में व्यक्ति अनैतिक एवं असमाजिक व्यवहार प्रकट करता है। जहां व्यक्ति द्वारा मानवीय संबंधों के प्रति बईमानी, हेरफेर, लापरवाह, जोखिम लेना आदि जैसी विशेषताएं मुखर होती है। किसी भी व्यक्ति में 'मनोविकृति' की अवस्था उत्पन्न होने के पीछे आंनुवंशिक, पर्यावरण और पारस्परिक कारकों का संयोजन माना जा सकता है। परिणामस्वरूप 'मनोरोगी' (psychopath) को कभी-कभी मनोरोगी व्यकित्व के विकार के रूप में भी जाना जाता है। अतः मनोविकृत एक अन्तर्निहित जैविक कारक है। जिसके विभिन्न आयाम है, यथाः व्यापक प्रतिरोध, विवेक की कमी, चितंन मनन की न्यूनतम अवस्था आदि। एक मनोरोगी व्यक्ति सही और गलत के बीच भेद करने में सक्षम नहीं होता है। फलस्वरूप घर हो या समाज में आपराधिक प्रवृत्ति को अंजाम देने में उनकी संलग्नता बढ़ती जाती है। जैसे मानवहत्या, हिंसक घटनाएं एक मनोविकृत व्यक्ति द्वारा सामान्यतः किया जाने लगता है। अतः प्रस्तुत शोधपत्र द्वारा मनोविकृत के विभिन्न आयामों यथा व्यक्ति के मनोविकृत होने के पीछे के

कारणों, समाज पर उसके प्रभाव, बढ़ती आपराधिक प्रवृति में मनोविकृत अर्थात् मनोरोगी व्यक्ति का व्यक्तित्व आदि का विश्लेषण करना है। अध्ययन का आधार प्रकाशित पुस्तकें , पत्र-पत्रिकांए, लेख एवं ई-सामग्री रहा है।

मुख्य शब्दः- मनोविकृत, मनोविकृत की विशेषताएं, मनोविकृत संबंधी आपराधिक प्रवृत्ति, मनोविकृत का प्रभाव।

परिचय

1745-1826 ई0 में Phillippe pinel जिन्हं आधुनिक मनोविज्ञान का पिता माना जाता है, ने सर्वप्रथम इस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग ऐसे व्यक्तियों के लिए किया, जिन्हं किसी प्रकार की बौद्विक समस्याएं (Intellectual problems) नहीं थी। परन्तु उनके व्यवहार में एसे लक्षण दिखाई पड़े जैसे क्रूरता, असामाजिक कार्य अर्थात् शराब नशीली दवाओं का प्रयोग, विक्षिप्तता की स्थिति आदि। यही कारण है कि मनोरोग(Psychosis) मनोवैज्ञानिक व्यवहार पर आधारित रोगियों से भिन्न स्थिति रखता है। साथ ही विद्वानों द्वारा Psychosis (मनोविकृत्ति) एवं Psychopathy (मनोरोगी) में अंतर किया गया। अर्थात् विद्वानों द्वारा इसकी परिभाषा इस प्रकार दी गई है psychopathy is a personality disorder defined by a constellation of affective and behaviour symptoms"1 वहीं "Psychosis is a loss of contact with reality that leads symptoms like hallucinations (दुःस्वपन) delusion (भ्रम), disordered thoughts (अव्यवस्थित विचार) यहां तक कि 1920 में मनोवैज्ञानिक Koch's ने यह स्पष्ट किया कि 'नैतिक असर्मथता' ही वास्तव में Psychopath (मनोविकृति) है।

मनोविकृत (Psychopath)

मनोविकृति एक प्रकार का व्यक्तित्व विकार है जिसे कभी कभी

समाज-विकृत sociopath का भी पर्याय माना जाता है। जिसके कारण Psychopath (मनोविकृति) के लिए प्रयोग किए शब्द विद्वानों द्वारा आंशिक या पूर्णतः विरोधाभासी हुए हैं। यही कारण है कि शुरूआती दौर में 1920 ई0 के समय मनोवैज्ञानिकों द्वारा ऐसे व्यक्ति के लिए Psychopath अर्थात् मनोरोगी शब्द का प्रयोग किया जाता था जो अवसाद , दुर्बल इच्छाशक्ति, अत्यधिक संकोची, असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो आदि लक्षण वाले के लिए। ऐसे में यह जानना अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि एक व्यक्ति के मनोरोगी होने के पीछे क्या-क्या कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए है। Cleckley के अनुसार मनोरोग का होना स्त्री और पुरूष दोनों में ही संभव है। साथ ही हर स्तर पर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि। शिमोन शिवाय जो कि इजरायल के डॉ0 है ने अपने सहयोगियों के साथ किए शोध में पाया कि एक Psychopath (मनोरोगी) ''व्यक्ति की मांसिक क्षमता में भावनात्मक पहलुओं की कमजोरी होती है सामान्य व्यक्ति की तुलना में''3। ऐसे में इस बात की पुंष्टि करना कि किस एक कारण से एक व्यक्ति मनोरोगी होता है यह अत्यंत कठिन मालूम होता है। परन्तु मनोरोगी व्यक्ति में भावनात्मक क्षमता की कमी होना इस बात को स्पष्ट करता है कि इसके पीछे वातावरण से संबंधित कारकों की विद्यमानता होती है। वातावरण से संबंधित कारकों में सामान्यतः बच्चे हो या युवा घर में उनके प्रति माता-पिता की उपेक्षा, उनकी अनुपस्थिति, माँ का तनाव पूर्ण व्यवहार होना, बचपन में हुए व्यक्ति के साथ किसी दुव्र्यवहार आदि संभावित पर्यावरणीय कारक माने जा सकते हंै। साथ ही घर का वातावरण जैसे न्यूनतम आय, कठोर अनुशासन, बड़ा परिवार, अशिष्ट मित्र एवं भाई-बहन, एवं दयनीय परवरिश आदि।

आनुवांशिक कारकों की बात करें तो Callous

unemotional(भावनात्मक रूप से कठोर) व्यवहार की विद्यमानता को मनोविकृत के प्रमुख कारकों में माना जा सकता हैं। जिसका प्रयोग Frazzetto द्वारा 2007 में किया गया । जहां Monoamine oxide A (MAO –A) जीन का संबंध मनोविकृत व्यवहार से पाया गया । वहीं "Low MAO-A pheno types coupled with adverse childhood experiences have been shown to correlate with low threshold for violence and aggression."[4] स्पष्ट है कि जीन का प्रभाव अर्थात् आनुवंशिकी प्रभाव व्यक्ति के मनोविकृत होने के कारणों में से एक उत्तरदायी कारण है।

मनोविकृत की विशेषताएं

हेयर द्वारा विकसित प्रणाली जिसके द्वारा मनोविकृत अर्थात् Psychopath की पहचान करना संभव हैं। जोThe Hair psychopathy checklist के नाम से जाना जाता है। जिसे 1980 ई0 में Hare and Frazell द्वारा विकसित किया गया था। जिसके द्वारा किसी व्यक्ति की आपराधिक मांसिकता को परखा जा सके। PCL Psychopath checklist को वत्र्तमान में PCL – R द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। "Hare Pcl – R को दो प्रकार से विभक्त कर सकते है-एक अर्थ संरचित साक्षात्कार एवं दूसरे भाग में विषय से संबंधित रिकार्ड फाइल द्वारा इतिहास की समीक्षा।*[5] PCL 22 22 विषयों से बना हुआ। वैज्ञानिकों द्वारा इसे प्रत्येंक विषय पर 3 Point (अंक) (0, 1, 2) के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। जिसका प्रयोग आपराधिक प्रवृत्तियों की जांच के लिए किया जाता है।: हेअर द्वारा प्रतिपादित PCl विषय सूची "Hare psychopathy checklist"[6] अग्रलिखित हैं

1. मौखिक रूप से सुगम होने की प्रवृत्ति ;(Gibness super ficial

charm),

2. पूर्व निदान (previous diagnosis as psychopath),
3. उदात्तता / आत्ममूल्य की भव्यता (egocentricity grandiose sense of self-worth),
4. हताशा सहने की शक्ति का कम होना 1- (Proness to boredom/low frus trations tolerance),
5. रोग संबंधी झूठ 1-(pathological lying and deception),
6. ईमानदारी की कमी1- (conning/lack of sincerity),
7. पश्चाताप या अपराध बोध का अभाव 1- (lack of remorse guilt),
8. भावनात्मक गहराई एवं प्रभाव की कमी1-(Lack of affect),
9. सहानुभूति की कमी1-(Lack of empathy),
10. 1दूसरों पर आश्रित अर्थात् परजीवी 1-(Parasitic lifestyle),
11. चिड़चिड़ापन (short-tempercd, poor) ,
12. अनेकों से यौनसंबंध1-(promiscuous sexval relation),
13. पूर्व व्यवहार समस्याएं1-(Early behaviour problem)
14. यर्थाथवादी न होना, दीर्धकालिक योजनाओं का निर्माण 1-(Lack of realistic, long term plans),
15. आवेग पूर्ण 1-(Impulsivity),
16. माता-पिता के रूप में गैर-जिम्मेदार व्यवहार (Irresponsible behaviour as a parent) ,
17. एक से अधिक वैवाहिक संबंध 1-(frequent martial relations),
18. किशोर अपराध 1-(Juvenile delinquency),

19. खराब परिवीक्षा 1-(poor probation or parole risk),
20. अपने कार्यों की स्वयं जिम्मेदारी लेने में विफल 1-(Failure to accept responsibility for own actions),
21. अनेकों प्रकार के अपराध 1-(Many types of offenses),
22. नशीली दवाओं का प्रयोग, यद्यपि यह प्रत्यक्ष रूप से असामाजिक नहीं है 1-(Drug of alkohal abuses not direct caues of anti social behaviour),

उपर्युक्त विषयों द्वारा मनोविकृति का पता लगाना संभव हो पाता है। इस प्रकार मनोविकृति के मुख्य लक्षण/विशेषताएं हैः-

होशियार :- मनोरोगी व्यक्ति अपने आसपास के लोगों से सहानुभूति प्राप्त करने के लिए साधारण स्थिति में अपने-आप को खुश दर्शाते हैं। परन्तु वास्तव में उनका उद्देश्य कुछ और होता है।

भावनात्मक मनोबल एवं शांति का अभाव होनाः- मनोरोगी व्यक्ति भावनात्मक रूप से कमजोर होते हैं एवं अंदर से अशांत । जिसके कारण वह बाहरी दुनिया में मनोरंजन एवं उत्तेजना वाली चीजों से आकंर्षित होते है।

तर्कहीन झूठ बोलनाः- मनोरोगी व्यक्ति अकसर झूठ बोलकर अपना काम करवाने में सक्षम होते है। उनकी यह प्रवृत्ति उन्हें चालाक के रूप में भी परिभाषित करती है।

अपराधबोध एवं पश्चाताप का अभाव होनाः- ऐसे व्यक्ति किसी को चोट पहंुचाने के बाद अपराधबोध का छलावा करते है परन्तु उनेक अंदर इसका अभाव होता है। मनोरोगी व्यक्ति ऐसा केवल सहानुभूति पाने के लिए करते है।

प्रतिक्रिया देने में अक्षमः- मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस बात को स्पष्ट किया गया कि मनोरोगी व्यक्ति भावनात्मक प्रतिक्रिया को व्यक्त नहीं कर पाते हैं जैसे कि

प्यार, मृत्यु, दुर्घटना आदि पर।

आक्रामक एवं अहितकारीः- मनोरोगी व्यक्ति द्वारा दूसरों पर भौतिक रूप से हमला करना सामान्य बात है। साथ ही वह व्यक्ति को अपमानित करते हैं, उनके साथ दुव्र्यवहार, तिरस्कार और उनपर शारीरिक हमला करते है। इस संबंध में एक और बातें यह भी कही गई है कि अगर कोई व्यक्ति अपने-आप को "गरीब बेचारा"7 दिखाता है तो ऐसा व्यक्ति मनोरोगी होता है जो दूसरो की भावनाओं के साथ खेलने में माहिर होता है।

इसके अतिरिक्त सोसाइटी फॉर द सांइटिफिक स्टडी आॅफ साइकोपैथी के अनुसार साइको पैथ (मनोविकृत) व्यक्ति में निम्न लक्षण निहित होते हैः-

1. "A lack of guilt
2. A lack of empathy and compassion
3. A lack of deep attachment to others
4. Narcissism
5. Superficial charm
6. Dishonesty
7. Manipulativeness
8. Reckless risk-taking

मनोवैज्ञानिक Silver के अनुसार "psychopathy's defining characteristics, such as impulsivity. Criminal versatility callousness and lack of empathy and remorse make the conceptual link between violence and psychopathy straightforward."[9] अर्थात् आक्रामकता, आवेगपूर्ण, अपराधिक प्रवृत्ति एवं भावनात्मक रूप से कठोर होना एक मनोविकृत व्यक्ति के लक्षण है

जिसका प्रभाव उनके व्यवहार पर पड़ता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति द्वारा आपराधिक कृत्यों को अंजाम दिया जाता है। यही कारण है कि मनोविकृत एवं अपराधी को सामान्यतः एक-दूसरे का पर्याय समझा जाता है।

परन्तु यहां विरोधभास भी है। अर्थात् अगर serial killer की बात की जाए तो प्रत्येक serial killer की अलग-अलग विशेषतांए हो सकती है। कोई Psychopath serial killer हो सकता है। परन्तु सभी serial killer psychopath (मनोविकृत, मनोरोगी) नहीं हो सकता है। उदाहरण की बात की जाए तो "केरल की serial killer जॉली का नाम उल्लेखनीय है।"10 6 हत्यांए 2002 से 2016 के बीच में इसके द्वारा की गई है। यह मनोविकृति से ग्रस्त अपराधी थी। जिसमें हेयर द्वारा बताए गए 20 विशेष लक्षणों में से संबंधित लक्षण मौजूद थे। डॉ0 जे0 रेड मेलॉय ने अपनी पुस्तक 'The psychopath mind' में लिखा था कि " साइकोपैथिक किलर भावनात्मक रूप से अपने कार्यो से अलग हो जाते हैं"[11] psychopathy serial killer कोई भी हो सकता है। किसी व्यक्ति का पड़ोसी, प्रेमी, सहकर्मी बेघर कोई भी हो सकता हैं। यही कारण है कि मनोवैज्ञानिकों द्वारा साइकोपैथी की तुलना गिरगिट से की गई है। साइकोपैथ न केवल हत्या, वरन् बालात्कार, यौन शौषण, अपहरण, जैसे कृत्यों को अंजाम देते है। छल एवं धोखा उनके चरित्र को दर्शाता है, पर समाज में एक अभिजन की भांति अपनी छवि बनाए रखते है। जिससे वह किसी की पहचान में नहीं आ पाते है। साइकोपैथ की आदत होती है दूसरे को दर्द पहुंचाने की। उसे दूसरे को दर्द पहुंचाने में अच्छा लगता है। अमेरिका में हुए साइकोपैथ अपराधी पर अध्ययन के उपरांत यह स्पष्ट होता है कि साइकोपैथ सीरियक किलर का व्यवहार ऐसा होता है कि वे "मानव जीवन को महत्त्व नहीं देते है। They are callous, indifferent and extremely brutal in their

interactions with their victims."[12] साइकोपेथ अपराधी समाज की कानून-प्रथाओ को भली-भांति समझते है पर वह अपनी आत्म संर्तुष्ट के लिए अपराध करते हैं। आपराधिक न्यायालय में उनकी शांत, तदनुभूति, उदासीन व्यवहार एवं असंबद्धता के कारण उनके द्वारा किए गए अपराध के संबंध में वकील उनका बचाव करते है। इन्हीं लक्ष्णों के कारण साइकोपैथ अपराधी सामान्य अपराधी से भिन्न होते है। उदाहरण के तौर पर भारत के साइकोपैथ सीरियल किलर " M. Jaishankar को लेते हैं। उनपर 2008-11 के दौरान 30 लाल्कार, 15 हत्यांर, 5 डकैती का आरोप था तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश , केरल क्षेत्रों के अंतर्गत"13। अपने आत्महत्या से पहले उसे 19 औरतों की हत्या करने का दोषी पाया गया। जिसका वह बालात्कार करता था फिर क्रूरता पूर्वक उसे मार देता था। जिसके कारण वह Psycho Shankar नाम से जाने जाना लगा। साइकोपेथ में नैतिक मूल्यों की अनभिज्ञता होती है अर्थात् वह इस बात की परवाह नहीं करता है कि एक हत्या की सजा क्या हो सकती है।, बालात्कार करने का अंजाम क्या हो सकता है । वह केवल अपनी आत्म-संतुष्टि के लिए अपराध को अंजाम देता है। जैसा कि साइकोपेथ अपराधी शंकर के कृत्यों से स्पष्ट होता है।एक साइकोपेथ के लिए भी सजा का प्रावधान संभवतः एक सामान्य अपराधी की तरह ही है। क्योंकि साइकोपेथ के संबंध में किसी भी तरह का अंदाजा लगाना संभव नहीं हो पाता है। इस संबंध में Hart लिखते है कि

Failure to consider psychopathy when conducting a risk assessment may be unreasonable-from a legal perspective –of unethical-from a professional perspective."[14] साइकोपेथ एवं अपराधिक व्यक्तियों के गुणों में कुछ समानता जरूर पाई जाती है पर दोनों को एक नहीं माना जा सकता है। अतः ऐसी परिस्थितियों में दोनो में

अंतर करने के लिए मूल्यांकन की विभिन्न-विभिन्न प्रणाली का प्रयोग किया जाता जाता रहा है। ताकि किसी साइकोपेथ के अपराधों की प्रवृत्ति को समझा जा सके एवं उसके लिए अलग कानूनी व्यवस्था मुहैया कराया जा सके। जिसका वर्णन इस प्रकार हैः-

PCL –R - जिसका विकास 1991 से 2003 तक हेयर द्वारा माना जाता है। इसमें 20 विषयों द्वारा मूल्यांकन द्वारा साइकोपेथ की पहचान संभव है। जिसका आधार व्यक्ति द्वारा पूछे गए सवालों के आधार पर प्राप्त अंकों के द्वारा व्यक्ति के आपराधिक प्रवृत्ति एवं उनके द्वारा किए गए जुर्म का अंदाजा लगाया जाता है।

PCL : sv - बहुत हद तक बैचारिक एवं अनुभाविक रूप से PCL : R से जुड़ा हुआ है। इस प्रणाली की वैधता एवं "Acheson द्वारा 2005"15 में स्थापित किया गया था। जिसका आधार साक्षात्कार एवं "collaterial in formation"[16] है। जो कि सिविल साइकेट्रिक एवं फॉरेंसिक रोगी दोनों के ही व्यवहार को समझने में सक्षम है। इसमें कुल 12 विषय शामिल है एवं प्रत्येक पर 3 अंक अंकित है।

PCL YV - यह प्रणाली Forth and kroner द्वारा 1995 में विकसित किया गया एवं मान्यता प्रदान किया गया। यह विशष रूप से 12-18 साल के किशोर के लिए है। इसमें में Pcl –R की तरह 20 विषयों को शामिल किया गया है। 30 अंक को साइकोपेथ के मूल्यांकन के लिए आधार बनाया गया है।

Hare SRP - हेयर SRP द्वारा साइकोपेथ के चार तत्वों की जांच स्वयं रिपोर्ट (self-report) द्वारा की जाती है। "interpersonal manipulation, callousaffect erratic lifestyle , and criminal tendncies"[17] इसमें 64 विषय समाहित है। यह प्रणाली Pauihus द्वारा

2013 में विकसित की गई । इसमें प्रत्येक विषय पर 5 अंक निहित है।

LSRP:- यह प्रणाली Levenson द्वारा 1995 में निर्मित की गई है। जिसमें 26 विषय है। यह भी प्रश्नावली पर आधारित स्वयं रिपोर्ट (self Report) पर आधारित है यह प्राथमिक एवं द्वितीय साइकोपेथी दो आधारों पर विभक्त कर जांच को संभव बनाता है। प्राथमिक साइकोपेथ का आधार 16 विषयों पर निर्भर है जबकि द्वितीय साइकोपेथ का आधार 10 विषय है।

इस प्रकार उपर्युक्त प्रणाली द्वारा साइकोपेथ की आपराधिक प्रवृत्ति की जॉच संभव है एवं एक अपराधिक व्यक्ति साइकोपेथ है या नहीं का मूल्यांकन संभव है।

मनोविकृत का प्रभाव

साइकोपेथी व्यक्ति न केवल स्वयं के लिए विधवंसकारी होता है वरन् वह अपने परिवार, समाज, दोस्तों, सहायकों सभी के लिए समस्याएं उत्पन्न करता है। यहां तक कि साइकोपेथ व्यक्ति की पहचान न हो पाने के कारण वह परिवार में समान्य व्यक्ति रह कर ही अपराध को अंजाम देने में सक्रिय रहता है। यही कारण है कि साइकोपेथ अर्थात् मनोविकृत एक प्रमुख समस्या के रूप में विचारणीय है। परन्तु साथ ही साइकोपेथ से जुड़े अन्य समस्याओं पर भी विचार होते रहे हैं। जैसे

1. एक व्यक्ति के साइकोपेथ होने के पीछे क्या कारण रहे होंगे?
2. साइकोपेथ की मांसिक स्थिति को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है?
3. अपराधिक प्रवृत्तियों को अंजाम देने के बाद यदि अपराधी की पहचान एक साइकोपैथ के रूप में होती है तो उसके लिए क्या कानूनी व्यवस्था होनी चाहिए ?
4. साइकोपेथ के उपचार के जो प्रयास किए गए जा रहे है उतना पर्याप्त

हैं या इस संदर्भ में और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है?

जहां तक साइकोपेथी व्यक्ति के परिवार या समाज पर प्रभाव की बात है तो परिवार पर उसका प्रभाव नाकारात्मक रूप में पड़ता है। अर्थात् उनके द्वारा परिवार के व्यक्तियों पर दबाव बनाया जाता है, प्रभुत्व जताया जाता है। जिसके कारण व्यक्ति का स्वभाव हिंसक प्रतीत होता है। परिणामस्वरूप परिवार के लोग हर समय असुरक्षा की भावना से ग्रस्त रहते है। वहीं समाज के संदर्भ में देखें तो एक साइकोपेथ व्यक्ति अपराध की श्रेणी में खड़ा हो जाता है। अर्थात् परिवार के व्यक्तियों को आहत अर्थात् कोध्रित होने के कारण उनपर आक्रमण करता है। आक्रमकता की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण उनके अपराध का स्वरूप भी बढ़ता चला जाता है जैसे हत्या, बालात्कार, क्रुरता पूर्वक बच्चों का अपहरण करना उनके साथ गलत व्यवहार आदि। चंूकि साकोपेथ व्यक्तित्व विकार की अवस्था है न कि मांसिक बीमारी की स्थिति। ऐसे में व्यक्ति के व्यवहार को समझने में थोड़ी कठिनाई होती है'; इसलिए उपचार की प्रक्रिया में भी समय लग जाता है। फलस्वरूप व्यक्ति का आपराधिक प्रवृत्ति मुखर होने के पश्चात् ही उस पर कार्यवाही संभव हो पाता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत पत्र में साइकोपेथ (मनोविकृत्त) के अर्थ, साइकोपेथ की विशेषताएं, मनोविकृत से जुड़ी आपराधिक प्रवृत्तियों एवं उसकें प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। जिसके उपरांत यह तथ्य उद्घटित होता है कि एक व्यक्ति के साइकोपेथ होने के कोई निश्चित कारक नहीं है। साइकोपेथ को खत्म भी नहीं किया जा सकता है बल्कि उसे नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ महत्त्वपूर्ण तरीकों द्वारा जो निम्न प्रकार है''

1. लक्षणों का मूल्यांकन करके,

2. रोगी और उनके रिश्तेदारों को बीमारी के संबंध में शिक्षित करके,
3. औषधीय उपचार द्वारा,
4. मनोवैज्ञानिक उपचार द्वारा जैसे परिवार में हस्तक्षेप करके, सामाजिक कौशल में प्रशिक्षण करके आदि विधि द्वारा ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *scholarpedia-org/article/psychopathy#symptom]profiles]2 c—lactors_ _-*
2. *Ibid-*
3. *ELSEVIER] An underlying cause for psychopathic Behavior] Elsevier-com……-*
4. *Scholarpedia-org/article/psychopathy#symptom profiles…*
5. *Minddiscorders-com/Flu Ihv/Hare&psychopathy&checklist-lt me…-*
6. *Christopher J- Brazil] Adeue E] Forth] Hare psychopathy checklist] researchgate-net/publications…--*
7. *hi-Wikihow-com--- euksjksÛh & dh & igpku & djsaA*
8. *Tracy Natashy] psychopathic symptoms: spotting the symptoms of a psychopath] healthyplace-com/personality disorders……-*
9. *Theodorakis Nikos] psychopathy and its relationship to criminal behavior] sas space sas-ac-uk…--*
10. *Jacob lemon] 6 murder over 14 years: The kerala housewife who killed her family for money] indiatoday in&&&&&-*
11. *Bon Scott] psychopathic killers Hide in plain sight] psychology today--*

12. *Ibid-*
13. *wikipedia-org/wiki/m…-- Jaishankar……--*
14. *Theodorakis Nikos] psychopathy and its relationship to criminal behavior] journal SAS- Ac- Uk// lawer view/article/view/1705--*
15. *Dhingree Katie]Daniel Boduszek] psychopathy and criminal Behavior – A psychosocial Research perspective Lttp://www-researchgate-Net/publication…*
16. *Ibid-*
17. *Ibid-*
18. *Anastasia sainte]*मनोविज्ञान, दर्”न और जीवन के बारे में सोच।